

3 | राजधानी

दिल्ली पुलिस ने लक्षकर के आतंकी को दबोचा

6 | अभिमत मोदी सरकार का महत्वपूर्ण बजट

11 | विदेश दक्षिण लाल सागर में पोत पर झोन हमला

12 | स्पोटर्स ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज का सूपड़ा साफ किया

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 92
नई दिल्ली, बुधवार, 7 फरवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

मुद्राखीति अब संतोषजनक रुटर पर राष्ट्रीय-10



उत्तराखण्ड ने लिखा इतिहास

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

उत्तराखण्ड सरकार ने आज (मंगलवार) विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक (यूसीसी) पेश किया। आजदी के बाद किसी भी राज्य सरकार द्वारा यह विधान सभा कदम है जो अन्य राज्यों में इसी तरह के कानून के रूप में रोडमैप को ढंडीत कर सकता है। दिल्ली में भाजपा के उच्च प्रदूष सूखों ने कहा, 'हमें खुशी है कि देवधर्मि ने यह पहल की है।' पिछले एक दशक में अनुच्छेद 370 से लेकर औरेयथा तक, सभी स्तरों पर भाजपा की उपलब्धियों पर जोर देते हुए, सत्रों ने कहा कि पार्टी और ऐसत भारतीय के दिवाम में भारी पैर बनाई है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, लिंग, जाति, पंथ और धर्म से परे अर्थव्यवस्था से लेकर सामाजिक व्यापक तक, भाजपा गैर से लेकर नल, वैष्णवी अधिकार से लेकर विरासत तक के क्षेत्रों में विधेयक जीवन को छू रही है, वीपीपैट परिवारों के सभी वर्ग सशक्त महसूस कर रहे हैं।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'हम वास्तव में अतिम व्यापक तक विरपण के अपने बाद पर करते हैं और उसे क्रियान्वित करते हैं।' उन्होंने कहा, 'हम यूसीसी परे एक अच्छी बहस करेंगे।' इस विधेयक का अध्ययन करने और अन्य राज्यों में भी इसी तरह के विधेयक विधानसभा में पेश कर दिया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, देवधर्मि के लिए वह एवंताविषय क्षण निकट है जो उत्तराखण्ड आदायीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजय 'एक भारत, एक भारत' का भज्यकृत अधार स्थापना करनेगा। इस विधेयक पर चर्चा की जाएगी जिसके बाद इसे पारित कराया जाएगा। विधेयक में बहु विवाह पर रोक

बहुविवाह पर, प्रभावी रूप से प्रतिवंश लगाता है। मंगलवार के उत्तराखण्ड के पुक्कर सिंह धामी ने मूल संविधान के प्रति के साथ सदन पहुंचे। यह विधेयक परे उत्तराखण्ड और राज्य के बाहर रहने वाले सभी लोगों पर लागू होता है। बहुप्रतीक्षित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश किया जिसमें विवाह से जुड़ी पुरानी रोडमैप को ढंडीत कर सकता है। दिल्ली में भाजपा के उच्च प्रदूष सूखों ने कहा, 'हमें खुशी है कि देवधर्मि ने यह पहल की है।'

यूसीसी विधेयक को प्रतिवंश के लिए दूसरे दिन पेश समान नागरिक संहिता उत्तराखण्ड 2024 विधेयक में धर्म और समृद्धावास से परे सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराखण्डकार, संपत्ति जैसे विषयों पर एक समान कानून प्रस्तावित है। हालांकि, इसके द्वारा से प्रदान में विवाह से अनुसूचित जीवन को बाहर रखा गया है। बाद में मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया कि उनकी सरकार ने पूरी जिम्मेदारी के साथ समाज के सभी वर्गों को साथ लेते हुए समान नागरिक विधेयक के अपराधों के लिए विवाह से प्रस्तावित करते हैं। उन्होंने विधेयक विधानसभा में पेश कर दिया है।

भाजपा के अच्छी बहस करेंगे।' इस विधेयक का अध्ययन करने और अन्य राज्यों में भी इसी तरह के विधेयक को सांख्यिकी विवाह की जीवन की विधियाँ बढ़ाव देना है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, लिंग, जाति, पंथ और धर्म से परे अर्थव्यवस्था से लेकर सामाजिक व्यापक तक, भाजपा गैर से लेकर नल, वैष्णवी अधिकार से लेकर विरासत तक के क्षेत्रों में विधियों को बाहर रखा गया है। बाद में मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया कि उनकी सरकार ने पूरी जिम्मेदारी के साथ समाज के सभी वर्गों को साथ लेते हुए हालात प्रस्तावित करते हैं। उन्होंने विधेयक विधानसभा में पेश कर दिया है।

विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किया



देहरादून में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह तथा अन्य विधानसभा भवन में भारत के अधिवित की प्रतियोगिता लिए हुए।

लगाने का प्रस्ताव ने जिसमें कहा गया है कि तलाक की कोई भी अर्जी तब तक प्रस्तुत नहीं की जाएगी जब तक कि विवाह हुए। विधेयक के अनुसार दूसरा विवाह नहीं कर सकता। एक वर्ष की अवधि पूरी न हुई है। विधेयक इसमें यह विवाह से प्रस्तावित है कि असाधारण में प्रोक्षण रूप से हलाता प्रथा का जिक्र करते हुए प्रस्तावित करते हैं कि मानविकता के अनुसार, अगर कोई कष्ट की विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह करने की अवश्यकता है।

विधेयक के अनुसार विवाह की विधियों को लागू करने के लिए विवाह करते हैं तो विवाह

जीवा पब्लिक स्कूल में स्थापना दिवस का आयोजन हुआ

छात्रों ने अनेक
रंगारंग कार्यक्रम
प्रस्तुत कर मन मोहा

पायनियर समाचार सेवा | फरीदाबाद



सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में विद्यालय का 30वां स्थापना दिवस पूरे हाँस्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय में बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रत्येक कार्यक्रम में मनोरंजन के साथ साथ शिक्षाप्रद संदर्भ के साथ शिक्षा और मनोरंजन का अद्भुत सामनेस्थ दिखा।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक ढंग से दीप प्रज्ञानित कर संस्थानी वंदना के साथ किया गया। इस

अवसर पर विद्यालय के बैंड ग्रुप ने बड़े ही सुंदर ढंग से विद्यालय के सभी गणनाय लोगों का स्वागत किया गया।

अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने दीप प्रज्ञानित किया एवं उनके दीप उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान, जीवा आयुवेद संस्थान के डॉ. प्रताप चौहान, विद्यालय की एकेडमिक एंड एम्बेलेंस हेड मुक्ता

सचदेव, निदेशक एवं प्ल्यूमिनाई ऑफ जीवा पब्लिक स्कूल मध्यसून चौहान, मीनाक्षी सिंह, नीरजा चौहान, काजल चौहान एवं संसोनेजकाएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर हेड ऑफ स्पेशल प्रोग्राम एंड ट्रैनिंग जयवंश रिह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को देखकर सहज ही अनुमत लगाया जा सकता है कि जीवा शिक्षण संस्थान में छात्रों का

सर्वांगीण विकास किया जाता है। प्राइमरी कक्षा के छात्रों ने विद्यालय के सभी विशेषताओं एसओई, दिनचर्यों के नियम, स्वाध्याय, मल्टीपल ईलीजेंस वंचर, आयुर्वेद स्कूल, जो बैल स्कूल के विषय में विद्यालय के बताया।

29वें वर्ष की उपलब्धियों को भी दर्शाया गया। छात्रों ने विद्यालय के प्रारंभ से लेकर अभी तक की

सारी उपलब्धियों को बहुत सुंदर गौरत के माध्यम से प्रस्तुत किया। छात्रों ने एक सुंदर लघु नाटिका का भी मंचन किया। कक्ष पालती से लेकर बारहवीं तक के सभी हानहार छात्रों को बैस्ट ट्रैट अवार्ड से भी समर्पित किया गया। इस वर्ष जीवा स्कूल की एक विशेष उपलब्धि यह भी रही कि भी सभी को इस अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

गोवा में आयोजित रोबोटिक्स चैंपियनशिप प्रतियोगिता में भी अपना शानदार प्रदर्शन किया। अंत में छात्रों ने श्री कृष्ण लील पर आधारित नव्य एक मनोमोहक प्रस्तुत कर समां बोध दिया।

इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने कहा कि जीवा स्कूल की स्थापना का उद्देश्य समाज और देश को एक नई दिशा देना एवं बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। छात्र जीवा के पद्धतियों को अपनाएं और एक स्वस्थ, संपन्न व शारीरिक समाज के निर्माण करने का प्रयास करें। उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान एवं एकेडमिक एंड एम्बेलेंस हेड मुक्ता सचदेव ने भी सभी को इस अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

पलवल। दक्षिण हरियाणा विजली वितरण निगम के हेड ऑफिस हिसार में तीन दिवसीय 13वीं इंटर सकेल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 11 सकेल ने अलग अलग खेलों में भाग लिया। जिनमें मुख्यतया रस्सा कस्सी, वालीबॉल, क्रूशी, कूटबाल, बैडमिंटन व कबड्डी इत्यादि खेल शामिल थे। पलवल सकेल की टीम की अगुवाई कुलदीप अंती कार्यकारी अधिकारी व स्टार्ट निरीक्षक द्वारा की गई। पलवल रस्सा कस्सी की टीम को हार्याणा और फाइनल में फिराबाद सकेल की टीम से फ़ाइनल मैच हुआ, उसमें पलवल सकेल की टीम ने बेहतर प्रदर्शन करने हुए जीत हासिल की। पलवल सकेल की टीम लगभग पिछले आठ साल से पहले स्थान पर आ रही है। पलवल सकेल की टीम के कासान सुबोध जाखड़, ठाकुरलाल, विनोद, देवेंद्र, मेघविजय, साकिर हुसैन, दलबीर, नूरहसन व रामवीर पहलवान शामिल थे। इसमें सभी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इसके अलावा कुश्ती में रामवीर पहलवान ने 125 किलो भारवार्ग में हिसार जेन के खिलाड़ी के हार्याण के हार्याण प्रथम स्थान प्राप्त किया। पलवल सकेल की वालीबॉल की टीम द्वितीय स्थान पर आ रही और दिव्यांग श्रेणी में बिंजेंद्र एलडीसी ने बैडमिंटन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

संक्षिप्त समाचार

सकेल खेल प्रतियोगिता में पलवल ने बाजी मारी



पलवल। दक्षिण हरियाणा विजली वितरण निगम के हेड ऑफिस हिसार में

तीन दिवसीय 13वीं इंटर सकेल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इसमें 11 सकेल ने अलग अलग खेलों में भाग लिया। जिनमें मुख्यतया रस्सा

कस्सी, वालीबॉल, क्रूशी, कूटबाल, बैडमिंटन व कबड्डी इत्यादि खेल

शामिल थे। पलवल सकेल की टीम की अगुवाई कुलदीप अंती कार्यकारी

अधिकारी व स्टार्ट निरीक्षक द्वारा की गई। पलवल रस्सा कस्सी की टीम को हार्याणा और फाइनल

में फिराबाद सकेल की टीम से फ़ाइनल मैच हुआ, उसमें पलवल सकेल की टीम

के कासान सुबोध जाखड़, ठाकुरलाल, विनोद, देवेंद्र, मेघविजय, साकिर हुसैन,

दलबीर, नूरहसन व रामवीर पहलवान शामिल थे। इसमें सभी ने बहुत अच्छा

प्रदर्शन किया। इसके अलावा कुश्ती में रामवीर पहलवान ने 125 किलो

भारवार्ग में हिसार जेन के खिलाड़ी के हार्याण के हार्याण प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पलवल सकेल की वालीबॉल की टीम से पहले स्थान पर आ रही है। पलवल सकेल की टीम के कासान सुबोध जाखड़, ठाकुरलाल, विनोद, देवेंद्र, मेघविजय, साकिर हुसैन, दलबीर, नूरहसन व रामवीर पहलवान शामिल थे। इसमें सभी ने बहुत अच्छा

प्रदर्शन किया। इसके अलावा कुश्ती में हिसार जेन के खिलाड़ी के हार्याण प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकृति बाचाओं मिशन संस्था ने दिया पौधारोण का सदेश

पलवल। शेखुपुरा स्थित बैंड-बगी मार्केट में मिशन प्रकृति बाचाओं

पर्यावरण संचेतक समिति द्वारा प्रकृति पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता

अधिकारी व वालीबॉल डॉ. आचार्य राम कुमार बैले ने

साथीयों साथ मिलकर दुकानदारों को स्केप्टान, मनीप्लान, एलोवेरा आदि

अति उपस्थित लोगों पौधे देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। आचार्य ने

उपस्थित लोगों से कहा कि अप अपनी दुकानों में प्लास्टिक के कूरियम गुलदस्तों के स्थान पर गमलों में वास्तविक पौधे लगाकर प्राकृतिक सौंदर्य युक्त स्वच्छ वातावरण बना सकते हैं। इस प्रकार के छोटे-छोटे कार्य करने से समाज के अन्य बहुत से लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण जैसे महान कार्य से जोड़ा जा सकता है। इससे आपके पास आने वाले ग्राहकों को भी सकारात्मक ऊर्जा देते हुए जीवांग के अन्य कार्यक्रमों में वास्तविक पौधे लगाकर प्राकृतिक सौंदर्य युक्त स्वच्छ वातावरण बना सकते हैं। इसके अलावा कुश्ती के साथ गमलों में भी ग्राहकों को भी अवश्यकता के अन्य कार्यक्रमों में वास्तविक पौधे लगाकर प्राकृतिक सौंदर्य युक्त स्वच्छ वातावरण बना सकते हैं।

प्रकृति बाचाओं मिशन संस्था ने दिया पौधारोण का सदेश

पलवल। शेखुपुरा स्थित बैंड-बगी मार्केट में मिशन प्रकृति बाचाओं

पर्यावरण संचेतक समिति द्वारा प्रकृति पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता

अधिकारी व वालीबॉल डॉ. आचार्य राम कुमार बैले ने

साथीयों साथ मिलकर दुकानदारों को स्केप्टान, मनीप्लान, एलोवेरा आदि

अति उपस्थित लोगों पौधे देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। आचार्य ने

उपस्थित लोगों से कहा कि अप अपनी दुकानों में प्लास्टिक के कूरियम गुलदस्तों के स्थान पर गमलों में वास्तविक पौधे लगाकर प्राकृतिक सौंदर्य युक्त स्वच्छ वातावरण बना सकते हैं। इस प्रकार के छोटे-छोटे कार्य करने से समाज के अन्य बहुत से लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण जैसे महान कार्य से जोड़ा जा सकता है। इससे आपके पास आने वाले ग्राहकों को भी सकारात्मक ऊर्जा देते हुए जीवांग के अन्य कार्यक्रमों में वास्तविक पौधे लगाकर प्राकृतिक सौंदर्य युक्त स्वच्छ वातावरण बना सकते हैं।

प्रकृति बाचाओं मिशन संस्था ने दिया पौधारोण का सदेश

पलवल। शेखुपुरा स्थित बैंड-बगी मार्केट में मिशन प्रकृति बाचाओं

पर्यावरण संचेतक समिति द्वारा प्रकृति पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता

अधिकारी व वालीबॉल डॉ. आचार्य राम कुमार बैले ने

साथीयों साथ मिलकर दुकानदारों को स्केप्टान, मनीप्लान, एलोवेरा आदि

अति उपस्थित लोगों पौधे देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। आचार्य ने

उपस्थित लोगों से कहा कि अप अपनी दुक



भारत में अगले पांच-छह साल में ऊर्जा क्षेत्र में 67 अरब डॉलर का निवेश होगा: प्रधानमंत्री

भाषा। बेतुल (गोवा)



प्रधानमंत्री नेरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि देश में विभिन्न ऊर्जा स्रोतों में गैस की हिस्सेदारी बढ़ाने के लक्ष्य से अपने पांच वर्ष में इस क्षेत्र में 67 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां भारत ऊर्जा संसाध के दूसरे संस्करण का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारतीय अवधिवस्था 5.5 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ रही है और देश जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने वैश्विक कंपनियों को भारत के ऊर्जा क्षेत्र का विस्ता बनने के लिए अमरित करते हुए कहा कि भारत ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए जो 11 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान करा गया है, उन्होंने बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसका इस्तेमाल सरकार के सुधारों की वजह से घोरे गैस का उत्पादन बढ़ रहा है और देश जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

विभिन्न ऊर्जा स्रोतों में गैस की हिस्सेदारी बढ़ाना छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत तक ले जाने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत ऊर्जा संसाध 2024 तक 20 शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और उनके साथ ऊर्जापरिदृश्य एवं निवेश अवसरों के लेकर चर्चा की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने भारत में तेल और गैस की खोज एवं उत्पादन में सुधारों की लिए वैश्विक दिग्मांजी की तलाश के लिए हाल ही में शुरू किया गए अवधिवस्था लाइसेंसिंग चरण का भी उल्लेख किया। सूर्यों के मुलाकात, मोदी ने तेल और गैस क्षेत्र में सरकार के स्तर पर किए गए सुधारों के बारे में बात की। इसमें तेल और गैस क्षेत्रों के लिए राजसन्-अधिकारियों को जाग अवधिवस्था को अपनाने का जिक्र भी शामिल है। दुनिया की तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता भारत अपने 85 प्रतिशत जल्दतें आयात से पूरी करता है। लोकिन संस्करण इस आयात को कम करने के लिए इनका घोरल उत्पादन बढ़ाना चाहती है। बैठक में वेदांत के चेयरमैन अनन्त अग्रवाल के साथ कार्यपालिका इंस्टीट्यूट के लिमिटेड के वारिकारी भी शामिल है। एंट्रोप्रूफ ने बैठक के बायोग्रेन को लिए गए अधिकारीयों के अनुमान से अधिक बैठकों के विस्तर सबसे बड़ी बात बन गया है। उन्होंने अपनी जारी अवधिवस्था को अनुमान की भी जिक्र किया। मोदी ने कहा, दुनियाभार के अधिकारियों को अपनाने का लिए गए अधिकारीयों की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

मोदी की तेल, गैस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक, निवेश पर हुई चर्चा

बेतुल (गोवा)। प्रधानमंत्री नेरेंद्र मोदी ने मंगलवार को तेल एवं गैस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की ओर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत में उत्तरों और अन्यथा अवसरों और अन्यथा उत्पादन की दिशा में एक्सपार्सोंवाल और बीपी से लेकर कर्तस्तानी और योलाप्ट-जीवी जैसी मोदी ने उत्पादन के लिए गोवा 20 शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और उनके साथ ऊर्जापरिदृश्य एवं निवेश अवसरों के लिए उत्पादन में सुधारों के लिए वैश्विक दिग्मांजी की तलाश के लिए हाल ही में शुरू किया गए अवधिवस्था लाइसेंसिंग चरण का भी उल्लेख किया। सूर्यों के मुलाकात, मोदी ने तेल और गैस क्षेत्र में सरकार के स्तर पर किए गए सुधारों के बारे में बात की। इसमें तेल और गैस क्षेत्रों के लिए राजसन्-अधिकारियों को जाग अवधिवस्था को अपनाने का जिक्र भी शामिल है। दुनिया की तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता भारत अपने 85 प्रतिशत जल्दतें आयात से पूरी करता है। लोकिन संस्करण इस आयात को कम करने के लिए इनका घोरल उत्पादन बढ़ाना चाहती है। बैठक में वेदांत के चेयरमैन अनन्त अग्रवाल के साथ कार्यपालिका इंस्टीट्यूट के लिमिटेड के वारिकारी भी शामिल है। एंट्रोप्रूफ ने बैठक के बायोग्रेन को लिए गए अधिकारीयों के अनुमान से अधिक बैठकों के विस्तर सबसे बड़ी बात बन गया है। उन्होंने अपनी जारी अवधिवस्था को अनुमान की भी जिक्र किया। मोदी ने कहा, दुनियाभार के अधिकारियों को अपनाने का लिए गए अधिकारीयों की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

